सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

# जालंधर ब्रीज

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-3 • 17 FEBRUARY TO 23 FEBRUARY 2022 • VOLUME-31 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

**प्रेरणा**

" उन पर ध्यान देना बंद कीजिए जो आपके पीठ पीछे कहते हैं इसका सीधा संबंध है आप उनसे बेहतर हैं। "

मास्क जरूरी, नहीं कोई मजबूरी

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay Money after the visa

•IELTS •STUDY ABROAD

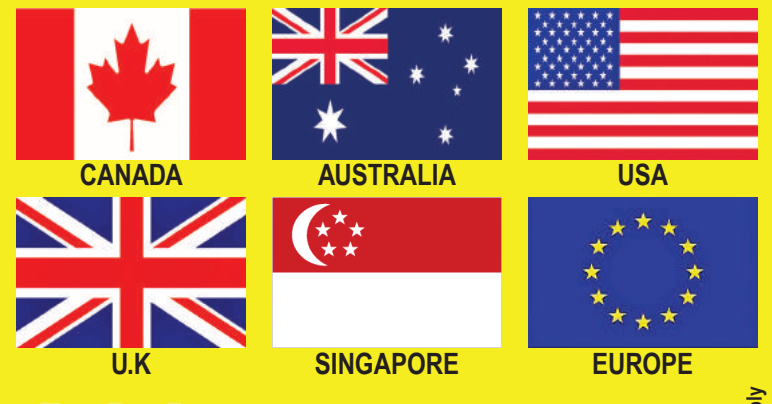


E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

**पीएम मोदी ने पठानकोट में रैली को किया संबोधित**

## पंजाबियों से 5 साल सेवा का मौका देने की अपील

**पठानकोट.** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाबियों को उन्हें 5 साल सेवा करने का मौका देने की भावनात्मक अपील की है। उन्होंने राज्य का सर्वपक्षीय विकास और कृषि, व्यापार व इंडस्ट्री को पूरी तरह से पुनः जीवित करने का वादा किया है। यहां एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जहां भी भाजपा सरकार बनाती है, लोग उसे जाने नहीं देते और वहां कभी भी विरोध नहीं होता, क्योंकि भाजपा सरकार लोगों की सेवा और राज्य की तरक्की करने में विश्वास रखती है। जहां भी भाजपा सत्ता में आती है, वहां कोई भ्रष्टाचार नहीं होता। उन्होंने कहा कि जहां भी भाजपा विकास व तरक्की का कारवां शुरू करती है, अधिक से अधिक लोग उसमें शामिल होते जाते हैं और वे उसे नहीं छोड़ते।

उन्होंने लोगों से अपील की कि वे 20 फरवरी को राज्य व देश की सुरक्षा को ध्यान में रखकर वोट दें। लोग 20 फरवरी को पंजाब में शांति व भाईचारे और राज्य में तरक्की के लिए वोट दें। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण की शुरुआत श्री गुरू रविदास महाराज जी को उनके प्रकाश पर्व पर श्रद्धांजलि भेंट करते हुए दी। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां एक पार्टी ने राज्य को नशों में धकेला, तो दूसरी पार्टी दिल्ली के हर नुक्कड़ पर शराब को फैला रही है।

दोनों पार्टियां एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि जब पठानकोट में आतंकी हमला हुआ था और पूरा देश एकजुट था, तब कांग्रेस पाकिस्तान की तरह अलग राग अलाप रही थी। उन्होंने हमारे सिपाहियों की बहादुरी पर सवाल किया, ऐसा क्यों? ये हमारे जवानों के बलिदान व बहादुरी का सबूत चाहते थे। उन्होंने सर्जिकल स्ट्रीक्स को लेकर आशंका जाहिर करने वाले कांग्रेस व आम आदमी पार्टी का जिक्र करते हुए, कहा कि जब हमारे जवान अपनी बहादुरी और बलिदान का परिचय दे रहे थे, तब भारत के कुछ राजनीतिक दल पाकिस्तान की भाषा बोल रहे थे। पीएम ने कांग्रेस पर बंटवारे के समय श्री करतारपुर साहिब को पाकिस्तान में ही जाने देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 1965 व 1971 की लड़ाईयों में भारत को श्री करतारपुर साहिब की जमीन वापस लेने का सुनहरी अवसर मिला था, लेकिन कांग्रेस की सरकारों ने इसकी चिंता नहीं की।

सीमावर्ती इलाकों में विकास को लेकर उन्होंने कहा कि मौजूदा बजट में गांवों के इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास हेतु विशेष प्रबन्ध किए गए हैं। पीएम मोदी ने पठानकोट व यहाँ के लोगों के साथ अपने पुराने संबंधों को याद किया। उन्होंने कहा कि जब पंजाब में सामान्य वर्कर के रूप में काम करते हुए, वह कई बार जम्मू से दिल्ली तक टू व्हीलर व ट्रेन से जाते थे, तब लोग आते व टिफिन पकड़ा जाते। वह लोगों का प्यार व जुड़ाव नही भुला सकते।

## चन्नी का केजरीवाल पर हमला, पहले भी गलत साबित हो चुके हैं दावे

**चंडीगढ़.** पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होने में अब सिर्फ तीन दिन का वक्त बाकी है लेकिन सीएम चरणजीत सिंह ने आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल पर जोरदार हमला बोला है। चरणजीत सिंह चन्नी ने आरोप लगाया है कि अरविंद केजरीवाल अभी तक 51 हजार बार झूठ बोल चुके हैं।

चरणजीत सिंह चन्नी लगातार आम आदमी पार्टी पर झूठे वादे करने का आरोप लगा रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने धुरी से भगवंत मान की 51 हजार वोटों से जीत का दावा किया है। इसी बात पर प्रतिक्रिया देते हुए चरणजीत चन्नी ने कहा, "केजरीवाल कम से कम 51 हजार झूठ बोल

चुके हैं। 2017 की तरह 10 मार्च को आपकी ये बातें भी गलत साबित हो जाएंगी।" चन्नी ने अरविंद केजरीवाल को कोई भी राजनीतिक भविष्यवाणी नहीं करने की सलाह दी है। चरणजीत सिंह चन्नी की ओर से अरविंद केजरीवाल के उन बयानों को भी शेयर किया गया है जिनमें केजरीवाल ने आप की जीत का दावा किया था, लेकिन बाद में वो गलत साबित हुए। केजरीवाल ने 2017 के पंजाब विधानसभा चुनाव में माझा की सभी सीटें जीतने का दावा किया था लेकिन इस इलाके में आम आदमी पार्टी का खाता भी नहीं खुला। अरविंद केजरीवाल ने अमरिंदर सिंह की हार का भी दावा किया था। अमरिंदर सिंह 52 हजार वोट के बड़े अंतर से चुनाव जीतने में कामयाब रहे थे। इसके अलावा आम आदमी पार्टी को 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में दिल्ली में एक भी सीट पर जीत नहीं मिली और केजरीवाल के दावे गलत साबित हुए।

केजरीवाल चरणजीत सिंह चन्नी के भदौर और चमकौर साहिब से हारने का दावा कर रहे हैं। वहीं चरणजीत सिंह चन्नी का कहना है भगवंत मान को धुरी में करारी हार का सामना करना पड़ेगा।

## शिरोमणि अकाली दल ने किसानों को लेकर खेला बड़ा दांव

**एमएसपी पर किया बड़ा वादा**

**चंडीगढ़.** पंजाब विधानसभा चुनाव के जरिए सत्ता हासिल करने के लिए राजनीतिक दलों ने वादों की झड़ी लगा रखी है। शिरोमणि अकाली दल और बहुजन समाज पार्टी के गठबंधन ने घोषणापत्र जारी पंजाबियों का पंजाब की पुरजोर वकालत की है। इसमें गठबंधन के सरकार में आने पर सरकारी और निजी नौकरियों में स्थानीय युवाओं को 75 फीसदी आरक्षण देने का वादा किया गया है।

गठबंधन की ओर से घोषणापत्र में किसानों को साधने की कोशिश की गई है। घोषणापत्र में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का दायरा बढ़ाकर फलों, सब्जियों और दूध को इसमें शामिल करने और कई अन्य चीजें मुफ्त में देने का वादा किया गया है।

गठबंधन की ओर से सभी घरों को 400 यूनिट बिजली प्रतिमाह मुफ्त में देने, 10 लाख का सालाना स्वास्थ्य बीमा और बीपीएल परिवार की हर महिला प्रमुख को प्रतिमाह 2000 हजार रुपये और हर भूमिहीन को पांच मरला जमीन देने का वादा किया गया है। इसके नेताओं ने कहा कि गठबंधन नदी जल, क्षेत्रीय, राजनीतिक और धार्मिक मामलों में राज्य के लिए न्याय सुरक्षित करने के लिए संघर्ष करना जारी रखेगा. उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और सामाजिक कल्याण सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए छूट की घोषणा की। घोषणापत्र में कहा गया है कि वृद्धावस्था पेंशन 1,500 रुपये से बढ़ाकर 3,100 रुपये, शगुन योजना की राशि बढ़ाकर 75,000 रुपये की जाएगी। पंजाब सरकार की शगुन योजना के तहत वर्तमान में अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग की महिलाओं की शादी के लिए 51,000 रुपये की राशि दी जाती है। पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए 20 फरवरी को मतदान होना है।

बता दें कि पंजाब विधानसभा चुनाव में शिरोमणि अकाली दल और बहुजन समाज पार्टी मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। शिरोमणि अकाली दल ने 97 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि बीएसपी के हिस्से 20 सीटें आई है।

## सीईओ द्वारा मतदान वाले दिन से पहले आखिरी 72 घंटों के लिए एसओपी जारी

**जालंधर ब्रीज.** पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. एस. करुणा राजू ने बुधवार को पंजाब में मतदान वाले दिन से पहले आखिरी 72 घंटों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एस.ओ.पी.) जारी की। डॉ. राजू ने बताया कि समूह ज़िला निर्वाचन अधिकारियों-सह-उपायुक्तों को हिदायतें जारी की गई हैं कि वह मतदान कर्मियों की तीसरी रैंडमाईज़ेशन, पोलिंग पार्टी बनाने सम्बन्धी सर्टिफिकेट, पोलिंग पार्टियों के लिए आवास और भोजन की व्यवस्था, माईक्रो-ऑब्ज़र्वरों की तैनाती, वीडियो कैमरे, स्टील कैमरे, पोलिंग स्टेशनों पर वैबकास्टिंग के लिए ज़रुरी प्रबंध करें। उन्होंने मतदान कर्मियों, सैक्टर अफसरों, ईवीएम

प्रबंधन को प्रशिक्षण देने को सुनिश्चित बनाने के साथ-साथ चुनावी खर्च निगरानी दल जैसे फ्लाइंग स्क्वायड टीमें (एफ. एस.टी.), स्टैटिक सर्विलांस टीमें (एस.एस.टी.), वीडियो निगरानी दल (वीएसटी), वीडियो देखने वाली टीम (वीवीटीज़), आबकारी निगरानी दल (ईएमसी), एमसीएमसी, डी.सी.एम.सी., लेखा टीम और 24 घंटे ज़िला ईईएम टीम, पिछले 72 घंटों के दौरान कंट्रोल रूम आदि को मज़बूत करने के लिए भी कहा।

उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को फ्लाइंग स्क्वायड (एफएस) और स्टैटिक सर्विलांस टीमें, बूथ स्तर जागरूकता समूह से सहायता, खर्च की निगरानी के लिए विशेष फोकस के क्षेत्र की निगरानी में तेज़ी लाने के लिए हिदायत की। उन्होंने वाहन की इजाज़त सम्बन्धी निर्देश देने के अलावा सभी पोलिंग स्टेशनों पर आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित बनाने और राजनीतिक दलों व उम्मीदवारों के लिए आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू करने के लिए भी कहा।

**जनता सही को सुनो और सही को ही चुनो...**

# वोट डालने वक्त सोचना, बाद में नहीं कोसना

### जालंधर-नार्थ

बावा हैनरी, कांग्रेस | के.डी. भंडारी, बीजेपी | दिनेश ढल्ल, आप | कुलदीप सिंह लुभाना, अकाली दल-बीएसपी

### जालंधर-वेस्ट

सुशील रिंकू, कांग्रेस | शीतल अंगुराल, आप | मोहिंदर भगत, बीजेपी | अनिल मेनिया, अकाली दल-बीएसपी

• **जालंधर ब्रीज.** विशेष रिपोर्टर

**जनता को** पहचानना होगा अपना सही उम्मीदवार जिसे विधायक चुनने के लिए बिना किसी प्रलोभन के सही और समझदार उम्मीदवार को ही वोट डालनी चाहिए। जो जीतने के बाद लोगों की आवाज बुलंद कर सके। अपने विवेक का इस्तेमाल करके जनता को पहचानना होगा कि इनमें से कौन सा वह नेता है जिसने अपने कार्यकाल के दौरान बिना किसी भेद-भाव के विकास करवाने का काम किया है।

जिसने अपने इलाके में बुनियादी जरूरतों का भरपूर ख्याल रखा है जैसे पीने के लिए साफ़ पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और सबसे महत्वपूर्ण साफ-सफाई आदि।

जनता को ऐसे लोगों की भी पहचान करनी होगी जो पीने के लिए साफ पानी भी नहीं दे पाया जो अपनी पार्टी का भी नहीं हो पाया। क्या वह अब आम जनता का हो पाएगा। जिनके चुनाव के दौरान वर्कर और दोस्त कोई होते हैं और सत्ता हासिल करने के बाद सब नए बनते हैं।

ऐसे उम्मीदवार भी जनता ने देखे हैं जो कभी आम हुआ करता था और जनता ने सेवा का मौका दिया। जनता का तो भला हुआ नहीं, लेकिन इनके बारे-न्यारे हो गए। न सिर्फ ऐसे लोगों के कद बढ़े, बल्कि चंद सालों में माफियाराज कायम कर चल-अचल अवैध धन संपदा के मालिक बन बैठे।

अब बाजी फिर जनता के हाथों में है उन्हें ऐसे ही भ्रष्ट और गलत उम्मीदवारों की पहचान कर साफ-सुथरी और सच में जिन्होंने सेवा की है और सीधे जनता के संपर्क में हैं और जनता उनसे उन सालों में अपना दुख-दर्द सांझा कर पाई है और उनका मसला हल हुआ है उन्हें जीता कर भ्रष्ट और माफिया जैसे उम्मीदवार को सीरे से नकारना होगा तभी जाकर लोकतंत्र की जीत होगी।

जनता कैसे भूल सकती है कि जो पहले कभी आम जीवन व्यतीत करने वाला जीतने के बाद आम जनता को ही दुखी करने का काम किया है। जिन्होंने पावर का इस्तेमाल अवैध कॉलोनियां कटवाने और कालोनियों में हिस्सेदार तक बनने काम काम किया हो, जो लोगों को उनके विरुद्ध चलने पर गलत पर्चे डलवाया हो, जो नशे के सौदागरों और अवैध धंधे में लिप्त लोगों को सरंक्षण देने का काम कर रहा हो। अगर प्रशासन के ईमानदार अफसर ऐसे लोगों पर जो यूथ को नशे के दलदल में झोंका हो जिन्होंने हजारों, लाखों घरों को तबाह किया हो पर नकेल कसने की कोशिश किया तो उन्हें ऐसे लोगों पर कार्रवाई न करने का भी दबाव लगातार बना रहे हों और गलत, भ्रष्ट प्रवृति के अफसरों को अपने इलाके में ट्रांसफर करवाने का काम करते रहे हों ताकि उनका उक्त गोरखधंधा बिना किसी रोक-टोक के चलता रहे। अगर भूले-भटके समाज के किसी स्वाभिमानी इंसान ने समाजहित ऐसे उम्मीदवार को गलत धंधे से तौबा कर समाज सेवा, लोक सेवा के लिए कहने पर जो चुनाव जितने के बाद अपनी रंजिश निकालने के बारे सोच रहा हो। ऐसे लोगों को जनता को किसी भी हालत में नहीं जीतने देना चाहिए और न सिर्फ अपना कीमती वोट सही उम्मीदवार को ही देनी चाहिए बल्कि लोगों को सही उम्मीदवार को बिना किसी प्रलोभन के चुनने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

अब आने वाला वक्त ही बताएगा कि जनता कितनी समझदार है। कारण यह वक्त का तकाज़ा है "अभी नहीं तो कभी नहीं" वोट डालने वक्त सोचना, बाद में नहीं कोसना।

### फगवाड़ा

बलविंदर सिंह धालीवाल, कांग्रेस | जोगिंदर सिंह मान, आप | विजय सांपला, बीजेपी | जसबीर सिंह गड़ी, अकाली दल-बीएसपी

### जालंधर-कैंट

परगट सिंह, कांग्रेस | जगबीर बराड़, अकाली दल-बीएसपी | सुरिंदर सिंह सोढी, आप | सरबजीत सिंह मक्कड़, बीजेपी

### जालंधर-सेंट्रल

चंदन गरेवाल, अकाली दल-बीएसपी | राजिंदर बेरी, कांग्रेस | मनोरंजन कालिया, बीजेपी | रमन अरोड़ा, आप

# उस शख्स की कहानी जिसने बताया बंदर इंसान के पूर्वज हैं पर पेरेंट्स को लगता था लड़का खानदान की नाक कटवाएगा

***डार्विन के डॉक्टर माता-पिता हमेशा चाहते थे कि बेटा भी डॉक्टर ही बने, लेकिन इनका मन न तो पढ़ाई में लगता था और न ही माता-पिता के सपने को साकार करने में, लेकिन इन्होंने अपनी उपलब्धयों से इतिहास रच दिया...***

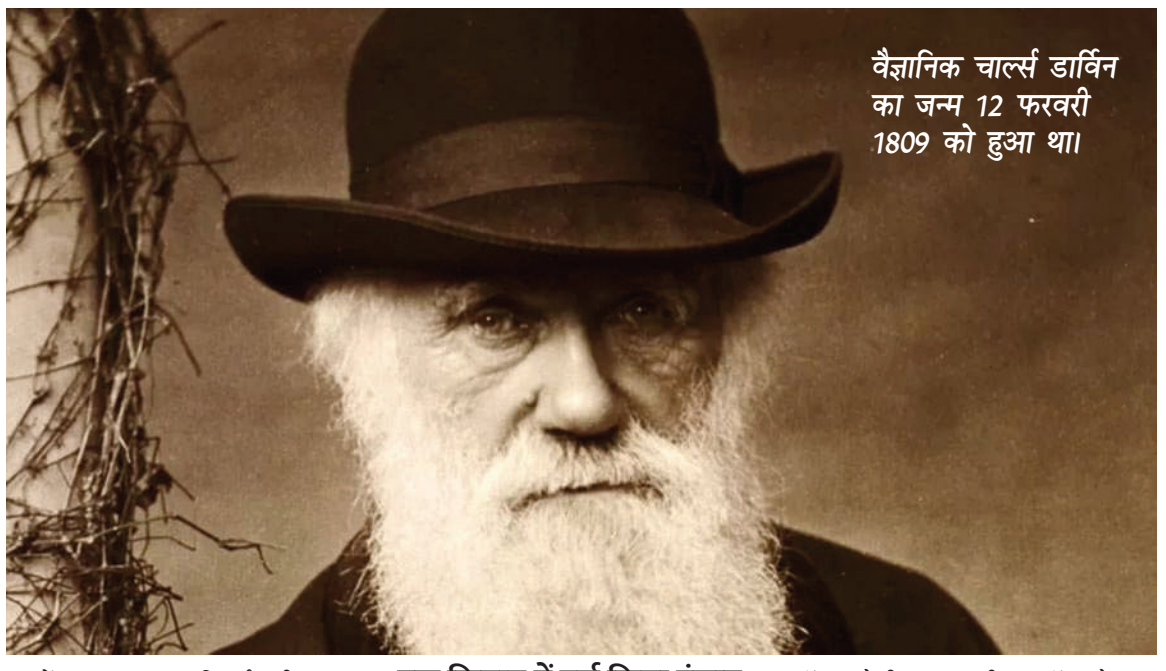

वैज्ञानिक चार्ल्स डार्विन का जन्म 12 फरवरी 1809 को हुआ था।

एक लड़का जिसकी दिलचस्पी पढ़ने-लिखने से ज्यादा प्रक्ृति को समझने में थी। धरती पर इंसान का विकास कैसे हुआ जीवन का लक्ष्य ही इसे समझना था, पर पेरेंट्स को लगता था वो बच्चा खानदान का नाम खराब करेगा। लेकिन उस बच्चे ने ऐसा इतिहास रचा जिसे आज भी पढ़ा जाता है। स्टूडेंट्स के बीच रिसर्च का विषय रहता है और उनकी उपलबधियों का जवाब देना संभव ही नहीं हो पाया है। ऐसे थे वैज्ञानिक चार्ल्स डार्विन। इनका जन्म 12 फरवरी 1809 को हुआ था। इनके पिता रॉबर्ट डार्विन और मां सुसान डार्विन दोनों ही जाने-माने डॉक्टर थे और चाहते थे बेटा भी डॉक्टर बने, पर ऐसा नहीं हुआ। 2015 से इनके जन्म दिवस को डार्विन डे के तौर पर मनाने की शुरुआत हुई।

### जब पिता ने कहा तुम खानदान की नाक काटाओगे

एक रिपोर्ट के मुताबिक, डार्विन के डॉक्टर माता-पिता हमेशा चाहते थे कि वो भी डॉक्टर ही बनें, लेकिन इनका मन न तो पढ़ाई में लगता था और न ही माता-पिता के सपने को साकार करने में। चार्ल्स की दिलचस्पी हमेशा से ही इस बात में रही कि धरती पर जीवन की शुरुआत कैसे हुई। पिता की लाख कोशिशों के बाद भी जब चार्ल्स का मन पढ़ाई में नहीं लगा तो उन्होंने थक-हारकर कहा, तुमहे शिकार करने, चूहों और कुत्तों को पकड़ने के अलावा किसी भी चीज में दिलचस्पी नहीं है। तुम खानदान की नाक कटवाओगे। इस घटना के बाद इन्हें पढ़ाई के लिए एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी भेज दिया गया।

### 22 साल की उम्र से शुरू हुआ इतिहास रचने का सफर

दिसम्बर 1831 में 22 साल की उम्र में चार्ल्स को बीगल नाम के जहाज से दुनिया घूमने का मौका मिला। इस दौरान उन्होंने दुनिया को देखा, समझा और जाना। सफर के पड़ाव में उन्होंने जीव-जंतु, पेड़-पौधे और कीट-पतंगों की प्रजातियों के नमूने लिए और कई सालों तक इन पर रिसर्च की। उनका कहना था, धरती पर सभी प्रजातियों की उत्पत्ति एक ही जाति से जुड़ी है। समय के मुताबिक इनमें बदलाव हुए और ये अलग-अलग प्रजातियों में धीरे-धीरे तब्दील होती गए। इस तरह विविधता आई।

### एक किताब में दर्ज किया इंसान का इतिहास

हम बचपन से सुनते आ रहे हैं कि हमारे पूर्वज बंदर थे और समय के साथ धीरे-धीरे हमने खुद को विकसित किया। हम बंदर से इंसान कैसे बने? इस बात का पता लगाया था चार्ल्स डार्विन ने। डार्विन की किताब 'ऑन द ओरिजन ऑफ स्पेशीज बाय मीन्स ऑफ नेचुरल सिलेक्शन' 24 नवंबर 1859 को पब्लिश हुई थी। इस किताब में एक चैप्टर था, 'थ्योरी ऑफ इवोल्यूशन'। इसी में बताया गया था कैसे हम बंदर से इंसान बने।चार्ल्स डार्विन का मानना था कि हम सभी के पूर्वज एक हैं। उनकी थ्योरी थी कि हमारे पूर्वज बंदर थे।

## HEALTH +

# तेज सिरदर्द होना सिर्फ माइग्रेन का नहीं है लक्षण, आंखों की भी जांच जरूर करा लें

**जब लोगों के सिर में दर्द होता है, तो वह इसे माइग्रेन या न्यूरो से संबंधित परेशानी ही समझते हैं, लेकिन ऐसा जरूरी नहीं है। कई मामलों में इसका कारण आंखों की रोशनी का कम होना भी हो सकता है। आंखों की मांसपेशियां कमजोर होने से भी सिर में दर्द होता है**

**अगर आपके** सिर में दर्द रहता है और आप इसको माइग्रेन या सिर की कोई अन्य बीमारी समझते हैं तो आपको सचेत होने की जरूरत है। डॉक्टरों का कहना है कि सिर में दर्द होने का एक बड़ा कारण आंखों की कमजोरी भी हो सकता है। अगर आपको सिर में दर्द की परेशानी बनी हुई है तो तुरंत आई स्पेशलिस्ट से सलाह लेने की जरूरत है। इस मामले में लापरवाही बरतने से आंखों की रोशनी कम होने से लेकर कई प्रकार की समस्या हो सकती है। अगर आंखों में सिरदर्द होने के साथ-साथ धुंधला दिखना, पानी आना, आंख का सूखा रहना (ड्राई आई) थकान होना, गर्दन में दर्द होता है तो यह भी आंखों में किसी समस्या के लक्षण हैं।

दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल के नेत्र रोग विभाग के एचओडी डॉ. एके ग्रोवर बताते हैं कि जब लोगों के सिर में दर्द होता है, तो वह इसे माइग्रेन या न्यूरो से संबंधित परेशानी ही समझते हैं, लेकिन ऐसा जरूरी नहीं है। कई मामलों में इसका कारण आंखों की रोशनी का कम होना भी हो सकता है। आंखों की मांसपेशियां कमजोर होने से भी सिर में दर्द होता है। सिर में हल्का दर्द इन सब लक्षणों की निशानी है, लेकिन अगर सिर में अचानक तेज दर्द होता है तो यह आंखों की गंभीर समस्या हो सकती है। इसमें आंखों मे ग्लूकोमा (काला मोतिया) और कॉर्निया में जख्म हो सकता है। इस स्थिति में मरीज उल्टी भी हो सकती है। डॉ। के मुताबिक, कई बार लोग लं बे समय तक सिरदर्द की समस्या से परेशान रहते हैं, लेकिन आंखों की तरफ ध्यान नहीं देते हैं। वह आंखों की स्थिति खराब होने पर इलाज़ के लिए आते हैं। काला मोतिया होने पर कुछ मरीजों की सर्जरी तक करनी पड़ जाती है। ऐसा अकसर अधिक उम्र के लोगों में होता है।

### इन लोगों को हो सकती है परेशानी

डॉ. के मुताबिक, कई बार आंखों के लगातार काफी समय तक एक ही फोकस पर कार्य करने से भी यह समस्याएं होती हैं। जो लोग कई घंटों तक लैपटॉप या फोन का प्रयोग करते हैं उनमें यह परेशानी देखी जाती है। लैपटॉप या फोन पर काम करते समय ध्यान रखें कि कमरे में प्रकाश हो। काम करते समय बीच-बीच में ब्रेक लेते रहें। पल्कों को थोड़े समय बाद झपकाते रहें। कोशिश करें की लैपटॉप या कंप्यूटर पर काम करते समय एन्टीग्लेयर (चौंध रहित) चश्मा पहनें। स्क्रीन की दूरी आंख के स्तर से 15 से 20 डिग्री नीचे की तरफ रखें।

### इन बातों का रखें ध्यान

> आंखों में अगर दर्द हो रहा है तो खुद से कोई दवा न लें
> रोजाना सुबह आंखों की सफाई जरूर करें
> जलन या आंखों से पानी आने पर कोई आई ड्रोप डाल लें

*डिस्क्लेमर : इस लेख का उद्देश्य अवेयरनेस के लिए है किसी प्रकार का प्रयोग करने से पहले विशेषज्ञ का परामर्श जरूर लें।*

# अब लकवाग्रस्त इंसान भी चल सकते हैं, इस मरीज ने बिना रुके 1 किमी. चलकर दिखाया... पर कैसे हुआ कमाल?

***अब लकवाग्रस्त इंसान भी चल सकेंगे, दौड़ सकेंगे और साइकिल भी चला सकेंगे। यह एक इलेक्ट्रोड इम्प्लांट से संभव हो पाया है। इसकी मदद से मरीज चलने लायक बन गए हैं। जानिए, कैसे किया गया यह प्रयोग...***

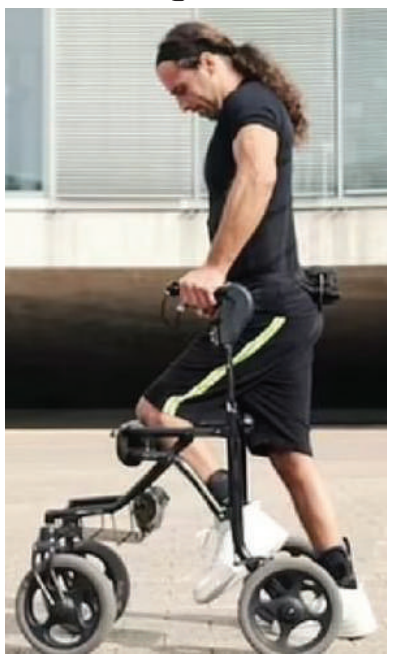

**अब लकवाग्रस्त** इंसान भी चल सकेंगे, दौड़ सकेंगे और साइकिल भी चला सकेंगे। वैज्ञानिकों ने तीन लकवाग्रस्त मरीजों पर एक प्रयोग किया है। प्रयोग सफल रहा है। तीनों मरीज अब चल सकते हैं। यह प्रयोग एक इलेक्ट्रोड इम्प्लांट की मदद से किया गया है। इसके कारण तीनों मरीज चलने लायक बन गए हैं। जानिए, कैसे किया गया यह प्रयोग...

लकवाग्रस्त मरीजों पर रिसर्च करने वाले स्वट्जरलैंड के स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के न्यूरोसाइंटिस्ट ग्रेगॉयर कोर्टीन का कहना है, यह प्रयोग 29 से 41 साल के पैरालिसिस से जूझने वाले 3 मरीजों पर किया गया। अब वो अपने शरीर के निचले हिस्से को कंट्रोल कर सकते हैं। अब समझते हैं कि इन मरीजों कैसे ठीक किया गया?

लाइव साइंस की रिपोर्ट के मुताबिक, रिसर्च के लिए तीन ऐसे लकवाग्रस्त मरीजों को चुना गया जिनमें हादसों के कारण रीढ़ की हड्डी में चोट लगी थी। इन मरीजों की पीठ में इलेक्ट्रोड इम्प्लांट लगाया गया। इस इम्प्लांट से निकलने वाली इलेक्ट्रिकल तरंगों ने बैकबोन में मौजूद नर्व के जरिए तंत्रकिा तंत्र को सक्रिय कर दिया था। नर्व के एक्टिव होने के कारण कंधे, पैर, पेट और पीठ की मांसपेशियों में भी हरकत होने लगी।

मरीज की रीढ़ की हड्डी में लगे इलेक्ट्रोड इम्प्लांट को नर्व के ठीक ऊपर लगाया गया था। इलेक्ट्रोड शरीर में किसी तरह की दिक्कत न पैदा कर सके इसलिए इसे लचीला बनाया गया था। मरीज के शरीर में लगे इलेक्ट्रोड को डॉक्टर एक टैबलेट में मौजूद सॉफ्टवेयर की मदद से ऑपरेट कर रहे थे। मरीज इस इलेक्ट्रोड के साथ सहज महसूस करें इसलिए इन्हें बकायदा इसकी ट्रेनिंग भी दी गई थी।

लाउसेन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल की न्यूरोसर्जन डॉ. जोसीलीन ब्लोश का कहना है, मरीजों की ट्रेनिंग के बाद वो अपनी मांसपेशियों को मूव करा पा रहे थे। धीरे-धीरे मरीज सहज महसूस करने लगे थे। इस प्रयोग में मरीज की इचछाशक्ति का होना भी जरूरी है। शोधकर्ताओं का कहना है, प्रयोग सफल होने के बाद एक मरीज ने 4 महीने की ट्रेनिंग के बाद एक किलोमीटर चलकर भी दिखाया।

# जब छापे गए थे 0 रुपये के नोट, फिर इस तरह इन्हें काम में लिया गया

***एक बार भारत में जीरो रुपये के नोट भी छापे गए थे और इन नोट के जरिए खास संदेश देने की कोशिश की गई थी। ऐसे में जानते हैं इन नोट की क्या कहानी है।***

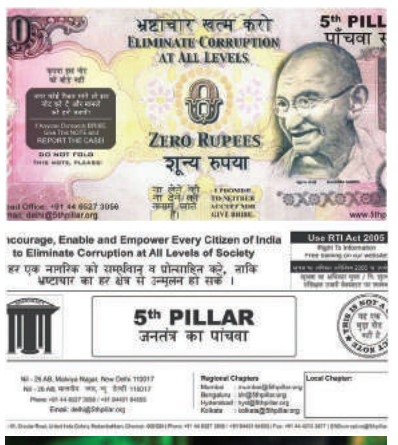


**आपने 1 रुपये** से लेकर 2000 रुपये के नोट देखे होंगे, अब तो 1000 रुपये का नोट बंद हो गया है, लेकिन कुछ साल पहले तक 1000 रुपये का नोट भी आता था। लेकिन, कभी आपने जीरो रुपये का नोट देखा है। आप भी सोच रहे होंगे कि ऐसा कोई नोट थोड़ी ना आता है, लेकिन ऐसा है। एक बार जीरो रुपये के नोट भी छापे गए थे। ऐसे में जानते हैं कि वो नोट क्यों छापे गए थे और इन नोट के छापने के पीछे क्या कारण था।

यह बात साल 2007 की है। देश में जीरो रुपये के नोट रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने नहीं छापे थे। दरअसल, दक्षिण भारत की एक नॉन प्रॉफिट ऑर्गनाइजेशन ने जीरो रुपये के नोट को प्रिंट किया था। तमिलनाडु स्थित फिफ्थ पिलर नाम की इस एनजीओ ने जीरो रुपये के लाखों नोट छाप दिए थे। ये नोट चार भाषाओं हिंदी, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में छापे गए थे।

क्या था मकसद- दरअसल, इस नोट को छापने के पीछे का मकसद भ्रष्टाचार और काले धन के खिलाफ लोगों को जारूरक करना था। भ्रष्टाचार और काले धन के खिलाफ लड़ाई में जीरो रुपये वाले नोट को हथियार बनाया गया था। अलग-अलग भाषाओं में छपे इन नोटों पर लिखा था 'अगर कोई रिश्वत मांगे तो इस नोट को दे दें और मामले को हमें बताएं!'

संस्था ने जीरो रुपये के मूल्य वाले नोट छापकर भ्रष्टाचार के खिलाफ महालौ तैयार करने की कोशिश की थी। सिर्फ तमिलनाडु में ही 25 लाख से अधिक ये नोट बांटे गए थे। पूरे देश में करीब 30 लाख नोट बांटे गए थे। फिफ्थ पिलर संस्थान के संस्थापक विजय आनंद ने इस मुहिम की शुरुआत की थी। उन्होंने अपने वॉलिंटियर्स के द्वारा रेलवे स्टेशन से लेकर हर चौक-चौराहे और बाजारों में जीरो रुपये के नोट बंटवाए थे। इस नोट के साथ एक पर्चा भी लोगों को दिया जाता था, जिसपर लोगों को जागरूक करने और उनके अधिकार से जुड़ी जानकारी छपी होती थी।

फिफ्थ पिलर संस्था पिछले पांच वर्षों से दक्षिण भारत के 1200 स्कूल, कॉलेज और लोगों के बीच जाकर लोगों को करप्शन के खिलाफ जागरूक कर रही है। इसके लिए 30 लंबाई के जीरो रुपये के नोट बनाए गए हैं, जिसपर लोगों से साइन कराए जाते हैं। इस पर अब तक 5 लाख से अधिक लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं। इस नोट पर लिखा है कि ना तो मैं रिश्वत लूंगा और ना ही दूंगा।

## DO YOU KNOW

# गोवा में 3 दिन की ट्रिप के दौरान पार्टनर के साथ इन जगहों पर घूमें, होगा एक अलग एहसास

*अगर आप अपने पार्टनर के साथ इस वैलेंटाइन डे पर कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आप गोवा को अपनी डेस्टिनेशन बना सकते हैं। यहां तीन दिन की ट्रिप में भी कई जगहों पर घूमा जा सकता है।*

**बागा बीच :** ये गोवा की सबसे लोकप्रिय जगहों में से एक है। यहां का शांत माहौल और बेहतरीन खूबसूरती आपका और आपके पार्टनर का मन मोह लेगी। ट्रिप के पहले दिन आप यहां टेस्टी फूड्स का मजा भी ले सकते हैं।

अगुआड़ा फोर्ट: आप ट्रिप के पहले दिन गोवा के इस बेहतरीन फोर्ट का टूर भी कर सकते हैं। इसकी खासियत है कि यहां से आप समुद्र के खूबसूरत नजारों को देख सकते हैं। ये किला गोवा की राजधानी पणजी से 18 किलोमीटर ही दूर है।

**अंजुना बीच :** ये बीच अपने रेतीले तट, वाटर स्पोर्ट्स और नाइटलाइफ के लिए बहुत मशहूर है। यात्रा के दूसरे दिन आप इस जगह पर जाकर एंजॉय कर सकते हैं। पार्टनर के साथ यहां सेल्फी लें और अपनी बेहतरीन यादों को जरूर संजोएं।

**मापुसा मार्केट :** अपने पार्टनर को शॉपिंग कराने का मन है, तो आप उसे गोवा की मशहूर मापुसा मार्केट में ले जा सकते हैं। कहते हैं कि यहां शॉपिंग किए बिना गोवा की यात्रा अधूरी मानी जाती है। इस मार्केट में आपको गोवा के मशहूर नट्स, मसाले व अन्य चीजें आसानी से मिल जाएंगी।

**रेस्टोरेंट और पब :** गोवा में आपको कई ऐसे बेहतरीन रेस्टोरेंट और पब मिल जाएंगे, जहां आप अपने पार्टनर के साथ वैलेंटाइन डे के खास मूमेंट्स को संजो सकते हैं। इस कल्चर के लिए गोवा को बहुत पसंद किया जाता है।

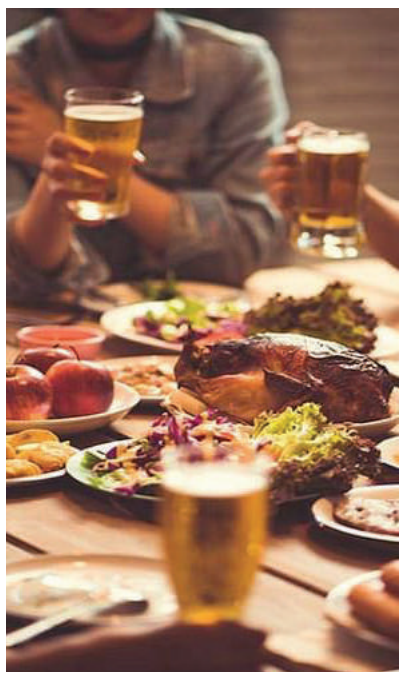

## BEAUTY+

### इन खास लिपस्टिक के साथ अपने लुक में लगाएं ग्लैमर का तड़का, हर कोई करेगा तारीफ

*लिपस्टिक लगाना लगभग हर एक महिला को पसंद होता है। यही कारण है कि महिलाओं के पास अलग अलग रंग की लिपस्टिक मौजूद भी होती है, लेकिन कई बार परफेक्ट कलर की लिपस्टिक चुनने में परेशानी होती है...*

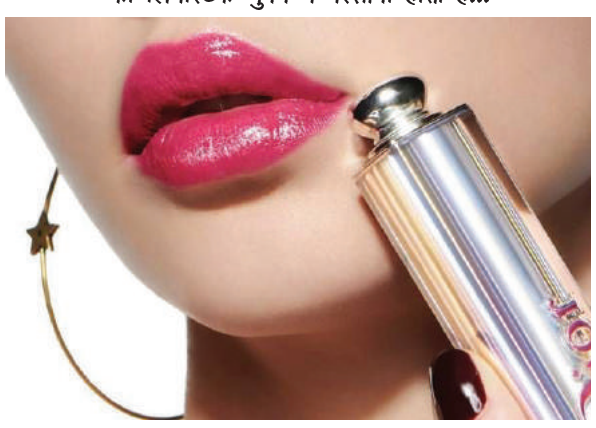

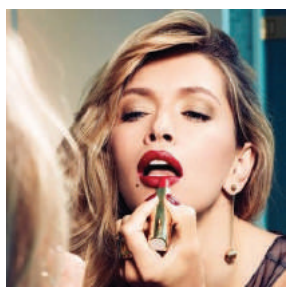

**अपने फैशन** स्टाइल में कोई भी कमी ना रहे इसके महिलाएं हर तरह की पूरी कोशिश करती हैं। पार्टी हो या फिर शादी हर किसी में खुद को परफेक्ट लुक देने के लिए लेडीज अच्छे आउटफिट के साथ मेकअप पर भी आज के समय में पूरा ध्यान दे रही हैं। पार्टी में अपना लुक भले ही आपको एक बेहतर स्टाइल देता हो लेकिन आपको एक परफेक्ट लुक लिपस्टिक (Lipstick) ही देती है। ड्रेस से मैच करती लिपस्टिक आपके पार्टी लुक में चार चांद लगा सकती है। कोई भी ओकेजन हो एक सही कलर की लिपस्टिक पूरे लुक को खूबसूरत बना देती है। अगर आप भी किसी पार्टी के लिए रेडी हैं तो हम बताएंगे कि किस तरह की लिपस्टिक लेडीज को लगाना चाहिए।

**इन अमेज़िंग लिपस्टिक के साथ झट से पार्टी के लिए तैयार हो जाएं**

1. लिपस्टिक आजकल खूब पसंद की जा रही है। इसमें एक लिपस्टिक में आपको 5 रंग एक साथ मिल जाते हैं। इससे आप एक ही पार्टी में अलग अलग रंग की लिपस्टिक ट्राई करके पार्टी में छा सकती हैं।
2. स्मूथ मैट फ़िनिश के साथ, यह आज लिपस्टिक से एक खास लुक पा सकती हैं। वॉटरप्रूफ लिक्विड मैट फॉर्मूलेशन के साथ की लिपस्टिक आप ट्राई कर सकती हैं, जो पैराबेंस से फ्री और क्रूल्टी फ्री होती है।
3. यदि आप को जल्दी लिपस्टिक से इंफेक्शन हो जाता है लेकिन आप भी फिर स्टाइल चाहती हैं, तो आजकल बाजार में कई आयुर्वेद से भरपूर लिपस्टिक भी मौजूद है। इनमें किसी तरह का कैमिकल नहीं होता है, ऐसे में आप इनको ट्राई करके भी परफेक्ट लुक पा सकती हैं।
4. लस्ट्रस लिपस्टिक आजकर लेडीज के बीच काफी ज्यादा पसंद की जाती है। ये अलग अलग ब्रांड में मौजूद है, जिसको आप अपने हिसाब से खरीद सकती हैं, यह सुपर-मॉइस्चराइजिंग फॉर्मूला के साथ आती है, जो आपके होंठों को मुलायम रखती है।
5. अगर पार्टी के लिए आपको अपने होंठों को नेचुरल पिंक टोन देना है, तो, आपके लिए खास हो सकती है।इस तरह की लिपस्टिक आपके होंठों को एक पिंक टच देने से आपको खास स्टाइल देती है।आजकल लेडीज के बीच इस लिपस्टिक को काफी पसंद किया जाता है।
6. आप लिपस्टिक के साथ सुपर लाइटवेट टेक्सचर चाहती हैं, तो फिर कुछ ऐसे ब्रांड्स हैं जो आपकी ये नीड पूरी कर सकते हैं, और यह नॉन-स्टिकी है। इसे लगाना बेहद आसान है और यह 100% वेगन लिपस्टिक मानी जाती है।

## DO YOU KNOW

### कभी विदेश जाएं और वहां पासपोर्ट खो जाए तो आप वहां से कैसे आएंगे?

*जब भी विदेश जाते हैं तो वहां सबसे अहम दस्तावेज आपका पासपोर्ट होता है। अगर मान लीजिए विदेश में आप उसे कहीं खो दे तो क्या होगा और आप कैसे भारत लौटेंगे।*

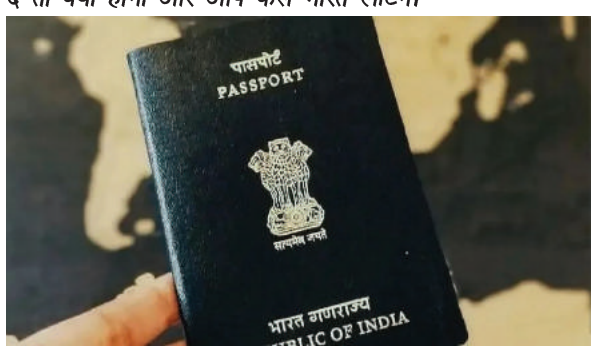


**विदेश जाने के** लिए अहम दस्तावेज पासपोर्ट होता है। ना सिर्फ आने जाने के लिए बल्कि वहां भी आपकी पहचान पासपोर्ट से की जाती है। लेकिन, मान लीजिए कभी आप विदेश जाएं और दूसरे देश में आपको पासपोर्ट गुम हो जाए तो क्या होगा। क्योंकि वहां से आने के लिए पासपोर्ट सबसे अहम है और आप उसके बिना विदेश वापस लौट नहीं पाएंगे। ऐसे में जानते हैं इस स्थिति में क्या करना होगा और आप किस तरह से वापस लौट सकते हैं।

**पासपोर्ट खो जाए तो क्या करना होगा?** – ऐसी स्थिति में आपको घबराने की जरूरत नहीं है। सबसे पहले आपको उस देश के पुलिस स्टेशन में जाना होगा और हिंदुस्तान की तरह ही पासपोर्ट खो जाने की शिकायत दर्ज करनी होगी। एक बार शिकायत दर्ज करने के बाद आपको उस देश में भारत का दूतावास यानी इंडियन एंबेसी ढूंढनी होगी।

एंबेसी ऐसे करती है मदद– ऐसे में अगर आपका पासपोर्ट खो जाए तो आपको शिकायत करने के बाद एंबेसी में संपर्क करना होगा। एंबेसी में संपर्क करने के बाद आपको शिकायत दर्ज करनी होगी और अपनी जानकारी देनी होगी। इसके बाद का काम एंबेसी में होता है।

आप यहां दूसरे पासपोर्ट के लिए आवेदन कर सकते हैं। अगर आपके विदेश से लौटने में ज्यादा टाइम बचा है तो एंबेसी आपका रिप्लेसमेंट पासपोर्ट तैयार करवाती है, जो भारत से बनकर ही उस देश में जाता है। हालांकि, इस प्रोसेस में कुछ दिन लग जाते हैं।

अगर मान लीजिए आपका पासपोर्ट आज गुम हुआ है और आपको करीब 1 महीने बाद विदेश से लौटना है तो एंबेसी से दूसरा पासपोर्ट बनने की व्यवस्था हो जाएगी। वहीं, अगर आपके पास सिर्फ एक या दो दिन का टाइम है तो आपको एंबेसी की ओर से एक इमरजेंसी सर्टिफिकेट दिया जाता है, जिसके जरिए आप उस देश से वापस लौट सकते हैं। इसके बाद आपको भारत में आने के बाद नया पासपोर्ट बनवाना होता है।

# 'क्वाड को प्रेरणा देने वाली शक्ति और क्षेत्रीय विकास का इंजन है भारत', अमेरिका ने की सराहना, बोला- साथ मिलकर करते रहेंगे काम

**व्हाइट हाउस की प्रिंसिपल डिप्टी प्रेस सचिव काराइन जीन पियरे ने वॉशिंगटन में संवाददाताओं से कहा, भारत और अमेरिका खुले हिंद-प्रशांत के लिए मिलकर काम करेंगे।**

• अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर

**अमेरिका** ने कहा है कि भारत क्वाड की प्रेरक शक्ति है और क्षेत्रीय विकास का इंजन है। वॉशिंगटन का ये बयान तब आया है, जब कुछ दिन पहले ही क्वाड देश के विदेश मंत्रियों ने ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर में बैठक की थी। क्वाड भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का एक संगठन है। मेलबर्न शिखर सम्मेलन के दौरान, देशों के विदेश मंत्रियों ने भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन की अस्थिर भूमिका और यूक्रेन पर रूसी आक्रमण पर चर्चा की थी।

अमेरिकी विदेश मंत्री टोनी ब्लिंकन भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर चर्चा का हिस्सा थे। व्हाइट हाउस की प्रिंसिपल डिप्टी प्रेस सचिव काराइन जीन पियरे ने वॉशिंगटन में संवाददाताओं से कहा, 'हम मानते हैं कि भारत दक्षिण एशिया और हिंद महासागर में एक समान विचारधारा वाला भागीदार और नेता है, जो दक्षिण पूर्व एशिया में एक्टिव और हमसे जुड़ा हुआ है। भारत क्वाड की प्रेरक शक्ति और क्षेत्रीय विकास के लिए एक इंजन है।'

अंतरराष्ट्रीय नियम-आधारित आदेश के लिए रूस एक खतरा

जीन पियरे ने कहा, 'क्वाड ने यूक्रेन पर मंडरा रहे रूसी खतरे पर चर्चा करने का अवसर दिया। विदेश मंत्रियों ने इस खतरे पर चर्चा की कि रूस की आक्रामकता न केवल यूक्रेन के लिए बल्कि पूरे अंतरराष्ट्रीय नियम-आधारित आदेश के लिए है, जिसने इस क्षेत्र और दुनियाभर के लिए दशकों की साझा सुरक्षा और समृद्धि की नींव प्रदान की है।' उन्होंने कहा, 'क्वाड भागीदारों के साथ बैठकों के दौरान ब्लिंकन ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए रूस द्वारा पैदा की जा रही चुनौतियों और यूरोपीय सहयोगियों का समर्थन करने की हमारी तत्परता पर चर्चा की।'

स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत के लिए मिलकर काम करेंगे दोनों देश

डिप्टी प्रेस सचिव ने कहा कि अमेरिका एक रणनीतिक साझेदारी बनाना जारी रखेगा, जिसमें अमेरिका और भारत दक्षिण एशिया में स्थिरता को बढ़ावा देने का काम करेंगे। स्वास्थ्य, अंतरिक्ष, साइबर स्पेस जैसे नए क्षेत्रों में सहयोग करने के लिए दोनों देश साथ आएंगे और एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत के लिए मिलकर काम करेंगे। व्हाइट हाउस ने भारतीय मंत्री की हालिया टिप्पणी पर एक सवाल का जवाब देने से परहेज किया कि भारत केवल बहुपक्षीय प्रतिबंधों का पालन करता है और अलग-अलग देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का पालन नहीं करता है।

जीन पियरे ने कहा, 'हम बारीकियों के बारे में बात नहीं करेंगे। हम अपनी चर्चाओं के बारे में स्पष्ट रहे हैं, इसलिए पिछले सप्ताह मेलबर्न में विदेश मंत्रियों की बैठक से हमने जो हासिल किया है, उससे आगे के विवरण में मैं कुछ नहीं कहना चाहती हूं। लेकिन हम भारत सहित कई सहयोगियों और भागीदारों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।'

## बिना कपड़ों के बगीचे में घूमते दिखे ब्रिटिश वायुसेना के डिप्टी प्रमुख, पड़ोसियों की शिकायत के बाद सस्पेंड

**रॉयल एयरफोर्स की वेबसाइट के मुताबिक, एयरमार्शल एंड्रयू टर्नर एक बेहतरीन अधिकारी हैं। इसमें बताया गया है कि उन्होंने ऑक्सफोर्ड में पढ़ाई की है और वह हेलिकॉप्टर पायलट भी हैं।**

**ब्रिटेन की** रॉयल एयरफोर्स के सबसे वरिष्ठ अधिकारी एयरमार्शल एंड्रयू टर्नर को सस्पेंड कर दिया गया है। दरअसल, अधिकारी के पड़ोसियों ने पुलिस से शिकायत की कि वह अपने बगीचे में बिना कपड़ों के नंगे होकर घूम रहे थे। वहीं, इस घटना के बाद 54 वर्षीय एयरमार्शल ने पिछले हफ्ते अपने परिवार को एक चिट्ठी भेजी, जिसमें उन्होंने अपने इस व्यवहार के लिए माफी मांगी। टर्नर के पड़ोसी 54 वर्षीय साइमन हर्बर्ट ने डेली मेल को बताया कि एयरमार्शल के 1.5 मिलियन पाउंड के घर में अपने पड़ोसी को नग्न अवस्था में देखकर वह हैरान रह गए।

एक सूत्र ने द सन को बताया, टर्नर के पड़ोसी ने उन्हें बगीचे में बिना कपड़े के देखा। वह अपने हिस्से में थे, लेकिन वह बिना कपड़ों के थे। उनकी पीठ साइमन के घर की ओर थी। उनकी पत्नी लेस्ली स्टीवंस और उनकी 18 वर्षीय बेटी भी ये देखकर हैरान रह गई थीं। साइमन हर्बर्ट ने कहा कि वह शुरू में अपने पड़ोसी के हालात को लेकर चिंतित थे। लेकिन फिर टर्नर के साथ हुई बातचीत और फिर बहस के बाद उन्होंने इस घटना की सूचना टेम्स वैली पुलिस को दे दी। इसके बाद एक जांच शुरू की गई। ब्रिटेन के इतने वरिष्ठ अधिकारी की इस हरकत की वजह से अब उनकी चारों ओर आलोचना हो रही है।

**एयरफोर्स ने किया सस्पेंड :** रॉयल एयरफोर्स के 'डिप्टी कमांडर' के रूप में एंड्रयू टर्नर इसके डिप्टी प्रमुख हैं। एक पूर्व स्पेशल फोर्स कमांडर के रूप में वह ये सुनिश्चित करने के प्रभारी हैं कि ब्रिटिश एयरफोर्स देश के लिए हवा और अंतरिक्ष में शक्ति प्रदर्शन करे और दुनियाभर में अपने प्रभाव को दिखाए। वह एयर चीफ मार्शल सर माइक विगस्टन के ठीक नीचे रैंक पर काबिज दो एयर मार्शलों में से एक हैं। बताया गया है कि टर्नर ने जब अपने बॉस को खुद के ऊपर चल रही जांच के बारे में बताया था, तभी उन्हें सस्पेंड कर दिया गया था। वहीं, स्टेशन कमांडरों को बताया गया कि वह निजी कारणों की वजह से अपने पद से हट गए हैं।

**हेलिकॉप्टर पायलट हैं एयरमार्शल टर्नर :** एयरफोर्स के प्रवक्ता ने कहा, हम एयरमार्शल से जुड़े मामले से अवगत हैं, फिलहाल इस मामले की पुलिस जांच हो रही है। अधिकारी को ड्यूटी से निलंबित कर दिया गया है। वहीं, रॉयल एयरफोर्स की वेबसाइट के मुताबिक, एयरमार्शल एंड्रयू टर्नर एक बेहतरीन अधिकारी हैं। इसमें बताया गया है कि उन्होंने ऑक्सफोर्ड में पढ़ाई की है और वह हेलिकॉप्टर पायलट भी हैं। टर्नर ने एक हेलीकॉप्टर पायलट के रूप में उत्तरी आयरलैंड, इराक और अफगानिस्तान में उड़ान का नेतृत्व किया है। उन्होंने 87 प्रकार के विमानों को उड़ाया है और उनके पास 5100 फ्लाइंग घंटों का अनुभव है।

## लड़कियों और महिलाओं में देर से पता चलता है ऑटिज्म, रिपोर्ट में हुआ खुलासा

**लड़कियों के ऑटिज्म से पीड़ित होने का लड़कों के मुकाबले बाद में पता चलता है। जिन लड़कियों को ऑटिज्म होता है लेकिन इसका पता नहीं चलता, वे यह समझ नहीं पातीं कि वे कई बार सामाजिक स्थितियों में भ्रमित हो जाती हैं।**

**ऑटिज्म** यानी स्वलीनता से पीड़ित होना लेकिन इसका पता न लगने से जीवनभर परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है और इससे पीड़ित महिलाओं को गलत समझा जा सकता है। सेलिब्रिटी महिलाओं-हनाह गैडस्बी,डैरिल हनाह और ब्रिटिश रियल्टी स्टार क्रिस्टीन मैकगिनीज ने पिछले कुछ वर्षों में इस मुद्दे को उठाया है। किशोरावस्था में अपने ऑटिज्म से पीड़ित पाए जाने के बारे में बात करते हुए वे इस मिथक को दूर करने में मदद कर रही हैं कि ऑटिज्म लड़कों तथा पुरुषों के लिए है।ऑटिज्म 70 में से एक व्यक्ति के विचारों, भावनाओं, संवादों और अनुभवों पर असर डालता है। बचपन में ऑटिज्म से प्रत्येक एक लड़की के मुकाबले तीन लड़के पीड़ित पाए जाते हैं। यह दर समय के साथ काफी कम हुई है।

लड़कियों के ऑटिज्म से पीड़ित होने का लड़कों के मुकाबले बाद में पता चलता है। जिन लड़कियों को ऑटिज्म होता है लेकिन इसका पता नहीं चलता, वे यह समझ नहीं पातीं कि वे कई बार सामाजिक स्थितियों में भ्रमित हो जाती हैं। वे अन्य लोगों के मुकाबले आसानी से दोस्त नहीं बना पातीं और कई बार उन्हें तानेबाजी का शिकार भी होना पड़ता है। इससे वे जीवनभर नाकामी की भावनाओं में खो सकती हैं और उन्हें यह लग सकता है कि उनके चरित्र में कुछ खामियां हैं।

**किशोरावस्था में तनाव का अनुभव हो सकता :** बड़े होते-होते इन अनुभवों से किशोरावस्था में तनाव का अनुभव हो सकता है। जिन लड़कियों में ऑटिज्म का पता नहीं चलता, उनमें इसके साथ होने वाली दिक्कतों जैसे कि अतिसक्रियता का पता नहीं चलता।हमारे हाल के अध्ययन में हमने मनोवैज्ञानिक (तमारा) और बाद में ऑटिज्म से पीड़ित पाए जाने वाली महिला (कैरल) के अनुभव लिए। चर्चा में कैरल ने बड़े होते हुए अपने भ्रम और चुनौतियों के बारे में बताया। दुनिया में लंबे समय से मानसिक स्वास्थ्य को लेकर पक्षपात रहा है कि कुछ लक्षण पुरुषों में ही देखे जाते हैं जबकि बेचैनी जैसे लक्षण महिलाओं में पाए जाते हैं। चिकित्सीय विश्लेषणों से पता चलता है कि जिन महिलाओं को किशोरावस्था में ऑटिज्म से पीड़ित पाए जाने का पता चलता है, उनमें अन्य बीमारियां जैसे कि बेचैनी, तनाव और मूड संबंधी विकार, व्यक्तित्व संबंधी विकार और भोजन संबंधी विकारों का पता चलता है।

**गुप्त ऑटिज्म :** अनुसंधान से पता चलता है कि लड़कियां जल्द ही दूसरों की नकल करना सीख लेती हैं जिससे उनकी मुश्किलें ''छुप जाती हैं''। वे शीशे के सामने खड़े होकर चेहरे के हावभाव बनाने का अभ्यास कर सकती हैं, इसलिए वे आने वाली सामाजिक स्थितियों से मेल खाते हावभाव दे सकती हैं।

**रोग की पहचान करना मायने रखता है :** सामाजिक स्थितियों को जल्द न पहचानना ही महिलाओं और लड़कियों को दर्दनाक अनुभव होने का बड़ा जोखिम पैदा करता है। अभिभावकों और शिक्षकों को लड़कियों में ऑटिज्म की पहचान करने तथा उन्हें समझने के लिए बेहतर सहयोग की आवश्यकता है।

**जांच के चार तरीके बदलने चाहिए :** ऑटिज्म से पीड़ित महिलाओं के नजरिए से निदान के आकलन पर पुन: विचार की आवश्यकता है : उन्हें ऑटिस्टिक क्षमताओं पर विचार करना चाहिए और केवल बाध्यताओं पर ही ध्यान केंद्रित नहीं करना चाहिए। उन्हें ऑटिज्म से पीड़ित महिलाओं के सामान्य जीवन के अनुभव शामिल करने चाहिए। महिलाओं और पुरुषों में ऑटिज्म में अंतर नैदानिक मानदंड में दिखाई देना चाहिए। ऑटिज्म से पीड़ित लोगों को नैदानिक परीक्षणों की रूपरेखा तैयार करने में शामिल करना चाहिए।

# ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने बनाया 'नकली सूरज', न्यूक्लियर फ्यूजन के जरिए निकली अपार ऊर्जा, सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा का बनेगा सोर्स

**ब्रिटेन के विज्ञान मंत्री जॉर्ज फ्रीमैन ने 'नकली सूरज' तैयार करने की खोज की सराहना की है। इसके जरिए स्वस्छ ऊर्जा हासिल की जा सकती है।**

ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने 'नकली .सूर्य' बनाने का दावा किया है। वैज्ञानिकों ने कहा है कि उन्होंने प्रैक्टिकल न्यूक्लियर फ्यूजन की खोज में एक बड़ी सफलता हासिल की है। ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने एक ऐसा रिएक्टर बनाने में सफलता हासिल की है जो सूर्य की तकनीक पर न्यूक्लियर फ्यूजन करता है, जिससे अपार ऊर्जा निकलती है। ये एक ऐसी उपलब्धि है, जिसके जरिए पृथ्वी पर सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा के लिए सितारों की शक्ति का इस्तेमाल करने की दिशा में मील का पत्थर कहा जा रहा है। इसके जरिए पृथ्वी पर 'छोटे सूर्य' तैयार किए जा सकेंगे।

यूके परमाणु ऊर्जा प्राधिकरण ने पिछले दिनों को ऐलान किया कि मध्य इंग्लैंड में ऑक्सफोर्ड के पास ज्वाइंट यूरोपियन टोरस लेबोरेटरी ने पिछले साल के अंत में एक प्रयोग के दौरान 59 मेगाजूल ऊर्जा पैदा की। इस तरह इसने अपने खुद के 1997 के विश्व रिकॉर्ड से दोगुना अधिक ऊर्जा उत्पन्न की। एजेंसी ने एक बयान में कहा, 21 दिसंबर के परिणाम सुरक्षित और टिकाऊ लो-कार्बन ऊर्जा प्रदान करने के लिए फ्यूजन एनर्जी की क्षमता का दुनियाभर में सबसे स्पष्ट प्रदर्शन हैं। इतनी ऊर्जा पैदा करने के लिए 14 किलो टीएनटी का इस्तेमाल करना पड़ता है।

**न्यूक्लियर फ्यूजन के जरिए ही सूर्य पैदा करता है गर्मी :** ब्रिटेन के विज्ञान मंत्री जॉर्ज फ्रीमैन ने इस खोज की सराहना की है। फ्रीमैन ने कहा, ये इस बात के सबूत हैं कि ब्रिटेन में किए जा रहे रिसर्च और इनोवेशन फ्यूजन पावर को हकीकत बना रहे हैं। ऐसा यूरोपभर में हमारे सहयोगियों के साथ मिलकर किया जा रहा है। दरअसल, न्यूक्लियर फ्यूजन वही प्रक्रिया है, जिसका इस्तेमाल सूर्य गर्मी

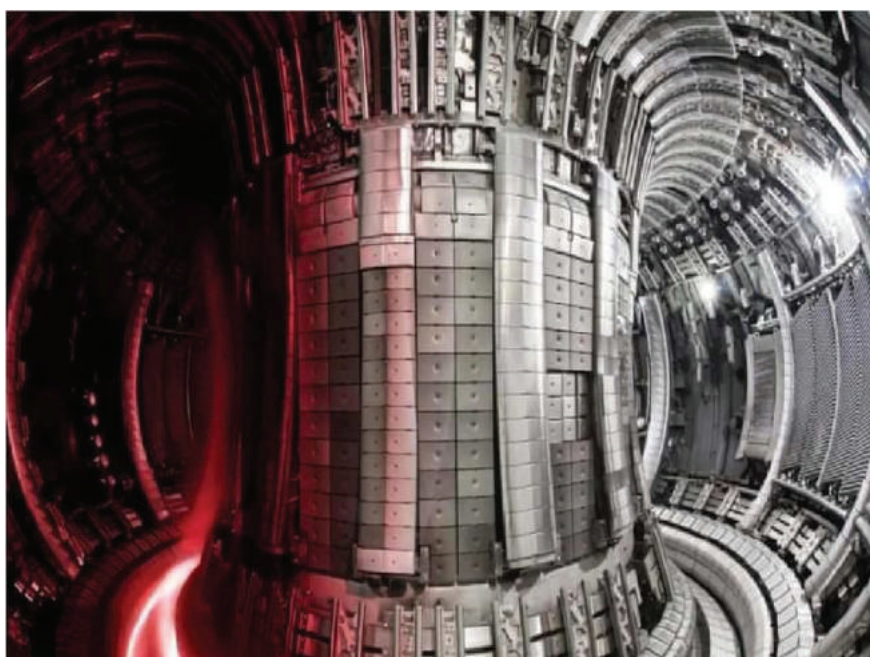

पैदा करने के लिए करता है। वहीं, वैज्ञानिकों का मानना है कि ये एक दिन ऊर्जा के प्रचुर, सुरक्षित और हरित स्रोत के रूप में मानवता को हासिल हो जाएगा। इसके जरिए जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद मिलेगी।

**न्यूक्लियर फ्यूजन कैसे काम करता है?**

कल्हम सेंटर फॉर फ्यूजन एनर्जी में दशकों के परीक्षण के साथ इस उपलब्धि को हासिल किया गया है। यहां पर ही जेईटी लेबोरेटरी मौजूद है। लेबोरेटरी अपनी स्टडी के लिए टोकामक नामक डोनट के आकार की मशीन का इस्तेमाल करती है। JET दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे शक्तिशाली ऑपरेशनल टोकामक मशीन है। इसके अंदर ड्यूटेरियम और ट्रिटियम से मिलकर तैयार हुए ईंधन की एक छोटी मात्रा को प्लाज्मा बनाने के लिए सूर्य के केंद्र की तुलना में 10 गुना अधिक गर्म तापमान पर गर्म किया जाता है। इसे सुपरकंडक्टर इलेक्ट्रोमैग्नेट्स के जरिए किया जाता है, क्योंकि ये प्लाज्मा चारों ओर घूमता है, फ्यूज करता है और गर्मी के रूप में जबरदस्त ऊर्जा छोड़ता है।

## पंजाब को ऐसी सरकार की जरूरत, जो देश की सुरक्षा के लिए काम करेगी : मोदी

**जालंधर ब्रीज.** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कहा है कि पंजाब को ऐसी सरकार चाहिए, जो देश की सुरक्षा के लिए काम करेगी और भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली एनडीए की सरकार यह कर सकती है। यहां लोगो के भारी इकट्ठ वाली एक जनसभा को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि सिर्फ वही सरकार पंजाब की सेवा कर सकती है, जो पक्षपाती विचारधारा से ऊपर उठकर काम करेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पंजाब को अब एक डबल इंजन की सरकार की जरूरत है, जो केंद्र सरकार के साथ मिलकर पंजाब को इसकी समस्याओं से निकालने के अलावा, शांति और आपसी भाईचारा सुनिश्चित करेगी। यहां उन्हें सुनने के लिए पहुंचे हजारों की संख्या में लोगों के साथ भावनात्मक होते हुए मोदी ने पंजाब के साथ अपने पुराने संबंधों को याद करते हुए कहा कि इस राज्य ने पंजाब में एक सामान्य भाजपा वर्कर के रूप में काम करते हुए उन्हें खिलाया है और वह इसके लिए हमेशा आभारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि वह उस कर्ज को वापस मोड़ना चाहते हैं और वह जितना भी पंजाब के लिए काम करेंगे, उतना ही और अधिक काम करने की इच्छा जागेगी।

# केजरीवाल और मान ने श्री रविदास मंदिर में माथा टेका

**जालंधर/चंडीगढ़.** आम आदमी पार्टी (आप) सुप्रीमों अरविंद केजरीवाल और पंजाब में पार्टी के मुख्यमंत्री उम्मीदवार भगवंत मान ने वुधवार को जालंधर में प्रसिद्ध श्री रविदास मंदिर में माथा टेका और पंजाब की अमन-शांति व खुशहाली की प्रार्थना की। इस मौके पर केजरीवाल ने कहा कि हम यहां गुरु महाराज का आशीर्वाद लेने आए हैं। गुरु महाराज मुझे हिम्मत, हौसला और साहस दें ताकि हम पूरे तन-मन-धन के साथ लोगों की नि:स्वार्थ भाव से सेवा करते रहें। गुरु महाराज पंजाब के लोगों को हमेशा खुशहाल और स्वस्थ बनाए रखें, यही हमारी प्रार्थना है। केजरीवाल ने कहा कि हमारी इच्छा है कि हम दिल्ली में भी गुरू रविदास जी महाराज का एक भव्य मंदिर बनाएं। मंदिर बनाने के लिए केन्द्र सरकार कुछ सरकारी समस्याएं है, उसका समाधान निकालकर हम दिल्ली में भी श्री रविदास जी का एक भव्य मंदिर बनाएंगे।

भगवंत मान ने कहा कि गुरू रविदास जी ने पूरी दुनिया को समानता, स्वतंत्रता, मानवता और भाईचारा संदेश दिया। आज हमें उनके बताए मार्गों पर चलने की जरुरत है। मेरी गुरु महाराज से प्रार्थना है कि मुझे हिम्मत, साहस और ताकत दें ताकि हम दिन-रात एक कर पंजाब की तरक्की के लिए काम कर सकें और पंजाब के लोगों को फिर से खुशहाल बना सकें।

## अमृतसर के मेयर रिंटु 'आप' में शामिल

**अमृतसर/चंडीगढ़.** अमृतसर में आम आदमी पार्टी को एक बड़ी मजबूती मिली है। बुधवार को अमृतसर के वर्तमान मेयर करमजीत सिंह रिंटु 'आप' में शामिल हो गए। 'आप' सुप्रीमों अरविंद केजरीवाल और पंजाब में पार्टी के मुख्यमंत्री उम्मीदवार भगवंत मान की मौजूदगी में रिंटु आम आदमी पार्टी में शामिल हुए।

चंडीगढ़ में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने करमजीत सिंह रिंटु का धन्यवाद किया और कहा कि उनके पार्टी में शामिल होने से पंजाब और खासकर अमृतसर में आम आदमी पार्टी बहुत मजबूत हुई है। हमें पूरा विश्वास है कि आम आदमी पार्टी अमृतसर के सभी सीटों पर जीतेगी और भारी बहुमत से सरकार बनाएगी।

## चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद 449.55 करोड़ की संपत्ति ज़ब्त

**चंडीगढ़.** पंजाब विधानसभा चुनाव के मद्देनजऱ आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद विभिन्न प्रवर्तन टीमों ने आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होने से 15 फरवरी, 2022 तक 449.55 करोड़ रुपए कीमत की संपत्ति ज़ब्त की है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी, पंजाब डॉ. एस करुणा राजू ने बताया कि पंजाब आबकारी विभाग के निगरानी दलों ने 30.37 करोड़ रुपए की 50.19 लाख लीटर शराब ज़ब्त की है। इसी तरह, प्रवर्तन विंग ने 325.87 करोड़ रुपए के नशीले पदार्थ बरामद किए हैं और 30.77 करोड़ रुपए की बेनामी नकदी भी ज़ब्त की है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 1,540 संवेदनशील क्षेत्रों को चिन्हित किया गया है।

# चुनाव से 48 घंटे पहले बंद हो जायेगा चुनाव प्रचार, बाहरी लोग हलकों में नहीं रह सकेंगे : डीसी थोरी

### ज़िले भर में प्री-पोल आदेशों की सख़्ती के साथ पालना को यकीनी बनाने को कहा, 48 घंटों के ड्राई डे का ऐलान

**जालंधर.** डीसी-कम-ज़िला चुनाव अधिकारी घनश्याम थोरी ने बुधवार को सिविल और पुलिस आधिकारियों को भारतीय चुनाव आयोग की सभी प्री- पोल आदेशों की सख़्ती के साथ पालना को यकीनी बनाने के लिए कहा, क्योंकि प्रचार 20 फरवरी 2022 को होने वाले चुनाव से 48 घंटे पहले बंद हो जायेगा। ज़िला प्रशासन की तरफ से पोलिंग से पहले 48 घंटो के ड्राई डे के इलावा 10 मार्च, 2022 को गिनती वाले दिन भी ड्राई डे का ऐलान किया गया है।

अलग -अलग हलकों में अलग -अलग उम्मीदवारों और राजनीतिक पार्टियों के लिए प्रचार कर रहे सभी राजनीतिक लोगों और बाहरी लोगों को चुनाव प्रचार बंद करके तुरंत हलका छोड़ कर जाना पड़ेगा। ऐसे कार्यकर्ता और राजनीतिक नेता, जो बाहर से आए हैं और हलके के वोटर नहीं हैं, चुनाव प्रचार की अवधि ख़त्म होने के बाद हलके में नहीं रह सकते। डिप्टी कमिशनर ने सभी राजनीतिक पार्टियाँ और उम्मीदवारों को सभी बाहरी राजनीतिक लोगों को चुनाव कमिशन के आदेशों से अवगत करवाने के लिए कहा ,जिससे स्वतंत्र निष्पक्ष चुनाव को यकीनी बनाया जा सके।

## 2125 कैमरों की निगरानी में होंगे सभी 1975 पोलिंग स्टेशन

ज़िला प्रशासन की तरफ से 9 हलकों के सभी 1975 पोलिंग स्टेशनो की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए 2125 वैबकास्टिंग कैमरे लगाए गए हैं जिससे वोटिंग प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग के साथ पूरा किया जा सके। डिप्टी कमिशनर -कम -ज़िला चुनाव अधिकारी घनश्याम थोरी ने इस सम्बन्धित जानकारी देते हुए बताया कि फ़िल्लौर हलके में 247, नकोदर में 257, शाहकोट में 251, करतारपुर में 234, जालंधर पश्चिमी में 219, जालंधर केंद्रीय में 225, जालंधर उत्तरी में 232, जालंधर छावनी में 237 और आदमपुर में 223 कैमरे लगाए गए हैं। पोलिंग बूथों के 100 मीटर के घेरे अंदर चुनाव प्रचार करने की इजाज़त नहीं होगी। उन्होंने कहा कि गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए आउटडोर वैबकास्टिंग कैमरों का प्रयोग किया जाएगा और उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों विरुद्ध एफ.आई. आर. दर्ज की जायेगी। ज़िला मैजिस्ट्रेट घनश्याम थोरी ने वोटों से पहले 48 घंटे मतलब 18 फरवरी, 2022 को शाम 6बजे से 20 फरवरी, 2022 को वोटों की समाप्ति तक पाँच या पाँच से अधिक लोगों के इकठ्ठा होने पर पाबंदी के आदेश जारी किये हैं।

# वोटर जागरूकता के लिए 4 वैन रवाना, हर वोटर तक पहुंचाया जाएगा ज़िला चुनाव अधिकारी का संदेश

**कपूथला.** पंजाब विधान सभा चुनाव 2022 के मद्देनज़र ज़िला चुनाव अधिकारी दीप्ति उप्पल ने बताया कि ज़िले के चार विधान सभा हलकों फगवाड़ा, कपूरथला, सुल्तानपुर लोधी और फगवाड़ा में वोटर जागरूकता अभियान के अंतर्गत 4 जागरूकता वैन चलाई गई है। इन वैन के द्वारा लोगों को वोटों वाले दिन लोकतंत्र के त्योहार में अधिक से अधिक भागीदार बनने का न्योता दिया गया। उन्होंने बताया कि कपूरथला के चारों विधान सभा हलकों सुल्तानपुर लोधी,फगवाड़ा,भुलत्थ और कपूरथला में एक -एक वैन चलाई जा रही है, जिसका मुख्य उदेशय लोगों को अपने लोकतांत्रिक अधिकार का इस्तेमाल बिना किसी डर,भय और लालच से देने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 24 माडल पोलिंग स्टेशन बनाऐ गए है, 20 पोलिंग स्टेशन ऐसे है, जिन पर सिर्फ़ महिलाएं तैनात की गई है और एक पोलिंग स्टेशन ऐसा है जहाँ शारीरिक तौर पर असमर्थ कर्मचारी ही तैनात होंगे।

उन्होंने यह भी बताया कि सभी वोटरों को ऐपिक कार्ड बाँटे जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को ऐपिक कार्ड प्राप्त नहीं हुए वह अपने सबंधित बी.एल.ओ के साथ संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि यदि आपके पास ऐपिक कार्ड नहीं भी है तो 12 ऐसे दस्तावेज़ जैसे कि आधार कार्ड,बैंक की कापी,राशन कार्ड आदि जिन में आपकी फोटो लगी हो, के साथ भी वोट डाल सकते हैं। उन्होंने बताया कि सभी पोलिंग बूथों पर 'चुनाव मित्र ' भी तैनात किये गए हैं जिससे शारीरिक तौर पर असमर्थ वोटरों और बुज़ुर्ग वोटरों को वोट देने समय किसी भी तरह की समस्या का सामना न करना पड़े।

### पोस्टल बैलट द्वारा वोट देने संबंधी जानकारी के लिए ज़िला माल अधिकारी नोडल अधिकारी नियुक्त

जिला चुनाव अधिकारी दीप्ति उप्पल ने बताया कि पंजाब विधान सभा चुनाव सम्बन्धित जिन कर्मचारियों ने अपनी वोट पोस्टल बैलेट के द्वारा डालनी हो या चुनाव डियूटी सर्टिफिकेट प्राप्त करना हो तो उस सम्बन्धित किसी भी तरह की जानकारी के लिए वह जिला माल अधिकारी के साथ कपूरथला के कमरा नंबर 108 पहली मंजिल, ज़िला प्रशासकीय कंपलैक्स में संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि जो चुनाव डियूटी पर अधिकारी या कर्मचारी है पोस्ट बैलेट के द्वारा अपनी वोट डाल सकते है। उन्होंने कहा कि अधिकारी और कर्मचारी अपनी वोट के अधिकार का इस्तेमाल जरूर करे।

## राजनाथ सिंह, अनुराग ठाकुर, पीयूष गोयल व मनोज तिवारी आज पंजाब में करेंगे प्रचार

**जालंधर :** पंजाब विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा के स्टार प्रचारक केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अनुराग ठाकुर, पीयूष गोयल और मनोज तिवारी 17 फरवरी यानि आज पंजाब के अलग-अलग विधानसभा हलकों में चुनाव प्रचार करेंगे। भाजपा के प्रदेश महामंत्री और भाजपा चुनाव संचालन समिति के संयोजक जीवन गुप्ता ने दी। जीवन गुप्ता ने बताया कि केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर 17 फरवरी को सारा दिन जालंधर में अलग-अलग विधानसभा हलकों में प्रचार करेंगे। राजनाथ सिंह अमृतसर, नंगल और मोगा में, पीयूष गोयल मंडी गोविंदगढ़, लुधियाना और साहनेवल में और मनोज तिवारी लुधियाना में चुनाव प्रचार करेंगे।

## ज़िला निर्वाचन अधिकारी ने लिया प्रबंधों का जायज़ा

**होशियारपुर.** डिप्टी कमिशनर-कम-ज़िला निर्वाचन अधिकारी अपनीत रियात ने आज ज़िला प्रशासनिक कॉम्पलैक्स में 7 विधानसभा हलकों के रिटर्निंग अफसरों और सैक्टर अफसरों के अलावा डी.एस.पीज़ के साथ मीटिंग की, जिस दौरान उन्होंने मतदान से पहले और बाद में किए जाने वाले प्रबंधों का जायज़ा लिया। उन्होंने कहा कि मतदान की प्रक्रिया को सुचारू ढंग से पूरा करने के लिए पूरी तनदेही से ड्यूटी निभाई जाए।

रियात ने कहा कि मॉडल पोलिंग बूथों, पिंक बूथों (महिलाओं के लिए) समेत ज़िले के 1,563 बूथों पर पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित बनाए जाएँ, जिससे पंजाब विधानसभा चुनाव-2022 की 20 फरवरी को हो रहे मतदान को सुचारू ढंग से पूरा किया जा सके। उन्होंने रिटर्निंग अफसरों और सैक्टर अफसरों को हिदायत देते हुए कहा कि 19 फरवरी को पोलिंग पार्टियाँ डिस्पैच सैंटरों से रवाना की जानी हैं, इसलिए इन सैंटरों में पोलिंग पार्टियों के लिए सुविधाएं सुनिश्चित बनाई जाएँ। उन्होंने कहा कि मतदान की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए रवाना होने वाली इन पोलिंग पार्टियों को परेशानी का सामना ना करना पड़े।

# केकेआर टीम में चयन पर रमेश कुमार के घर में खुशी की लहर

### बेहद गरीबी से निकलकर हासिल किया ये मुकाम

**फाज़िल्का.** जलालाबाद के रहने वाले रमेश कुमार बेलानी उर्फ नारायण का आईपीएल में चयन हुआ है। रमेश कुमार आईपीएल के कोलकाता नाईट राइडर्स (केकेआर) टीम में खेलते हुए नजर आएंगे। रमेश पंजाब के फाजिल्का जिले के जलालाबाद के रहने वाले हैं। उनके पिता मोची हैं और बूट पॉलिश का काम करते हैं। बेहद गरीबी से निकलकर उन्होंने ये मुकाम हासिल किया है। उनके चयन के बाद जलालाबाद में उनके पारिवार के सदस्यों में खुशी का माहौल है।

**परिवार में खुशी का माहौल :** यह खबर जैसे ही रमेश के पारिवार के सदस्यों तक पहुंची तो परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई और बधाईयां देने वालों का तांता लग गया। हालांकि रमेश के माता-पिता का कहना है कि बेहद गरीबी में रहकर उन्होंने समय बिताया लेकिन आज उन्हें बहुत खुशी महसूस हो रही है। जहां एक तरफ बच्चे के कामयाब होने की खुशी है वहीं उन्हें इस बात का भी गर्व है कि उनके बेटे ने जलालाबाद शहर और पूरे पंजाब का नाम रोशन किया है।

**माता-पिता राजस्थान से संबंधित :** बता दें कि रमेश के माता पिता राजस्थान से संबंधित हैं। 20 साल पहले उनके पिता राजस्थान के हनुमानगढ़ से काम की तलाश में पंजाब के जलालाबाद आ गए थे। उनकी मां चूड़ी बेचने का काम करती हैं। रमेश की इस सफलता के बाद उनके पिता को अब आजीविका के लिए संघर्ष नहीं करना पड़ेगा।

**यूट्यूब स्टार हैं :** रमेश कुमार को कोलकाता नाइट राइडर्स ने ऑक्शन में खरीदा है. टेनिस गेंद के क्रिकेट में वे 'नारायण जलालाबादी' के नाम से मशहूर हैं। वे यूट्यूब पर स्टार हैं। वे यूट्यूब पर वायरल हो गए थे। रमेश ने सात साल तक टेनिस बॉल टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। लेदर की गेंद से खेल की शुरुआत उन्होंने पिछले साल किया था। रमेश के चयन से उनकी और उनके परिवार की जिंदगी बदल गई है।

**इस वजह से जाने जाते हैं :** रमेश लंबे छक्के लगाने के लिए जाने जाते हैं। उनकी इसी प्रतिभा की वजह से उन्हें टीम में जगह दी गई है। उनकी उम्र अभी सिर्फ 23 साल है। केकेआर की टीम ने उन्हें 20 लाख रुपये की कीमत पर खरीदा है। यह पैसा आईपीएल के लिए भले ही कम लगे लेकिन नारायण जैसे कम सुविधा में मेहनत करके अपना मुकाम बनाने वाले खिलाड़ियों के लिए बहुत बड़ी बात है।

# पाकिस्तान से कोई झगड़ा नहीं : कैप्टन

**मलेरकोटला.** पूर्व मुख्यमंत्री और पंजाब लोक कांग्रेस के अध्यक्ष कैप्टन अमरिंदर सिंह ने आज यहां कहा कि वह पाकिस्तान के लोगों के खिलाफ नहीं, बल्कि पाकिस्तान के शासकों और सेना के खिलाफ हैं, जो हमेशा भारत में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश करता रहा है और सीमा पर भारतीय सैनिकों को मार रहे हैं। मलेरकोटला और अमरगढ़ से पार्टी प्रत्याशी श्रीमती फरजाना आलम और सरदार अली के समर्थन में आज यहां जनसभाओं को संबोधित करते हुए कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने कहा कि ये चुनाव पंजाब का भविष्य तय करने वाले हैं, क्योंकि पंजाब कई चुनौतियों का सामना कर रहा है जो केवल केंद्र और पंजाब सरकार की डबल इंजन सरकार ही कर सकती है।

पूर्व मुखय्मंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि आजादी से पहले पटियाला की 40 फीसद आबादी मुस्लिम थी और उनमें से ज्यादातर पाकिस्तान चले गए थे और जब उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में अपने आखिरी कार्यकाल के दौरान पाकिस्तान का दौरा किया तो लोगों द्वारा उनका बहुत सम्मान किया गया था। उन्होंने कहा कि वह दोनों देशों के बीच अच्छे संबंधों का पुरजोर समर्थन करते हैं, लेकिन पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और पाकिस्तानी सेना भारत के प्रति नफरत फैला रहे हैं जो अस्वीकार्य है। आम आदमी पार्टी द्वारा भगवंत मान को मुख्यमंत्री पद के लिए नामित किए जाने पर कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने कहा कि वह एक अच्छे अभिनेता थे, जिन्होंने लोगों का मनोरंजन किया और टेलीविजन पर लोगों को हंसाया। लेकिन सरकार चलाना मनोरंजन से ज्यादा गंभीर है। उन्होंने चेतावनी दी कि पंजाब को एक गंभीर और समझदार नेतृत्व की जरूरत है जो न केवल राज्य की सुरक्षा का ख्याल रखे बल्कि पंजाब को विभिन्न समस्याओं से उबार सके।

पूर्व मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी के मुख्यमंत्री पद के लिए एक "गरीब" उम्मीदवार को नामित करने के दावे का मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा कि चन्नी के पास सैकड़ों करोड़ की संपत्ति है और वह चुनाव लड़ने वाले सबसे अमीर उम्मीदवारों में से एक हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ गरीब होने से कोई मुख्यमंत्री बनने के योग्य नहीं हो सकता। लोगों से पंजाब लोक कांग्रेस के उम्मीदवारों को बेहतर भविष्य के लिए चुनने का आग्रह करते हुए, उन्होंने याद दिलाया कि उन्होंने मलेरकोटला को जिला बनाने के साथ-साथ यहां एक मेडिकल कॉलेज बनाने की घोषणा की थी।

**जशन**
पिता-मुकेश
माता-बलजिंदर
जिला-होशियारपुर

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.